2/11/2022

पाठ - 13

जहाँ पहिया है

जंजीरें

उत्तर ① लेखक जंजीरो द्वारा महिलाओं के लिए चली आ रही रूढ़िवादी प्रथाओं की ओर ईशारा किया गया है।

उत्तर ② जंजीरो से बंधकर कोई भी ज्यादा दिन तक नही रह सकता सभी अपनी व्यक्तिगत आजादी चाहिए होती है। और इस आजादी को पाने के लिए इंसान कोई न कोई रास्ता खोज ही निकालता है। ऐसा ही कुछ पुडुकोटई की महिलाओं ने किया। वहाँ की महिलाओं ने अपनी आजादी और आत्मनिर्भरता के लिए साइकिल चलाना आरम्भ किया।

शीर्षक की बात

उत्तर-① क्यों कि पहिए को गतिशीलता का प्रतीक माना गया है, इस पाठ मे साइकिल द्वारा महिलाओं के जीवन में परिवर्तन और गतिशीलता आई इसलिए यह शीर्षक रखा गया।

उत्तर ② शीर्षक :-

(i) 'पहिए ने बदली दुनिया' :— साइकिल में पहिया होता है और साइकिल से महिलाओ में आत्मविश्वास आया।

(ii) 'सस्ती साइकिल बड़े काम की" :— साइकिल खरीदने में कम खर्चा होता है जिससे महिलाओं और उनके परिवारो पर आर्थिक बोझ नही बढ़ता है।